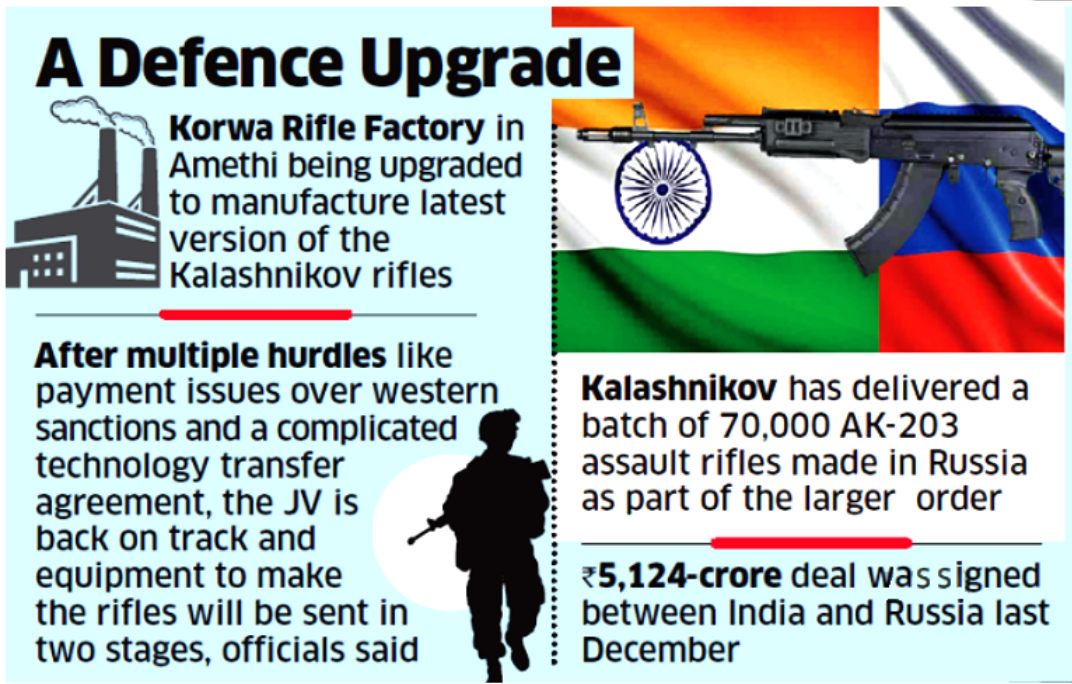


AK-203 राइफल

भारत और रूस ने संयुक्त रूप से अमेठी, उत्तर प्रदेश के एक कारखाने में AK-203 राइफलस का निर्माण शुरू कर दिया है।

- रूस और भारत के बीच दिसंबर 2021 में 6,01,427 असॉल्ट राइफलस की खरीद के लिये अमेठी में कोरवा आयुध कारखाने के माध्यम से एक समझौता हुआ था।



A Defence Upgrade

Korwa Rifle Factory in Amethi being upgraded to manufacture latest version of the Kalashnikov rifles

After multiple hurdles like payment issues over western sanctions and a complicated technology transfer agreement, the JV is back on track and equipment to make the rifles will be sent in two stages, officials said

Kalashnikov has delivered a batch of 70,000 AK-203 assault rifles made in Russia as part of the larger order

₹5,124-crore deal was signed between India and Russia last December

संयुक्त अनुबंध के प्रमुख बंदि:

- भारतीय आयुध निर्माणी बोर्ड, कलाशनिक्वो कंसर्न और रोसोबोरोनेक्सपोर्ट, (रोस्टेक राज्य नगिम की दोनों सहायक कंपनियों) के बीच **भारत-रूस राइफलस प्राइवेट लिमिटेड** के हिससे के रूप में **भारत में छह लाख से अधिक राइफलस का निर्माण कया जाना है।**
- इस संबंध में **भारत और रूस के बीच दिसंबर 2021** में 5,124 करोड़ रुपए की डील हुई थी।
 - हालिया वर्षों में दोनों देशों के बीच यह सबसे बड़ी रक्षा संबंधी डील है। इस डील में प्रौद्योगिकी के पूरण हस्तांतरण संबंधी प्रावधान है। इन राइफलस को मत्रि देशों में भी नरियात कया जाएगा।
- वचार यह है कइ इन राइफलस का निर्माण **100% स्वदेशी कलपुर्जों के साथ 128 महीनों की अवधि में कया जाए।**

AK-203 राइफल:

- **AK-203 असॉल्ट राइफल को AK-47 राइफल का नवीनतम तथा सबसे अद्यतन संस्करण माना जाता है।**
- यह AK-100 राइफल वर्ग का 7.62×39 ममी. संस्करण है (यह कई कारतूस और लंबाई में AK-74M प्रणाली प्रदान करता है)।
- यह भारतीय लघु हथियार प्रणाली (INSAS) 5.56×45 ममी. असॉल्ट राइफल का स्थान लेगी, जिसका उपयोग वर्तमान में अन्य सुरक्षा बलों के अलावा सेना, नौसेना तथा वायु सेना द्वारा कया जा रहा है।
- INSAS राइफलस अधिक ऊँचाई पर उपयोग के लिये उपयुक्त नहीं है। इन राइफलस के साथ कई अन्य समस्याएँ भी हैं जनिमें गन जैमिंग, तेल रसाव आदि शामिल हैं।

भारत-रूस रक्षा और सुरक्षा संबंध:

- भारत-रूस सैन्य-तकनीकी सहयोग एक करते-वकिरेता ढाँचे से विकसित हुआ है जिसमें उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों के संयुक्त अनुसंधान, विकास और उत्पादन शामिल है।
- दोनों देश नयिमति रूप से त्र-सेवा अभ्यास 'इंद्र' आयोजित करते हैं।
- भारत और रूस के बीच संयुक्त कार्यक्रमों में शामिल हैं:
 - ब्रह्मोस करुज मिसाइल कार्यक्रम
 - 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू जेट कार्यक्रम
 - सुखोई Su-30MKI कार्यक्रम
 - इल्युशिन/एचएएल (Ilyushin/HAL) सामरिक परविहन विमान
 - KA-226T टवनि-इंजन यूटिलिटी हेलीकॉप्टर
- इसमें भारत द्वारा रूस से खरीदे/पट्टे पर लिये गए सैन्य हार्डवेयर में शामिल हैं:
 - एस-400 ट्रायम्फ
 - मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत में बनेगी 200 कामोव Ka-226
 - टी-90एस भीष्म
- INS विक्रमादित्य विमान वाहक कार्यक्रम
- रूस अपने पनडुबबी कार्यक्रमों द्वारा भारतीय नौसेना की सहायता में भी बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है:
 - भारतीय नौसेना की पहली पनडुबबी, 'फॉक्सटरॉट क्लास' रूस से ली गई थी।
 - भारत अपने परमाणु पनडुबबी कार्यक्रम के लिये रूस पर निर्भर है।
 - भारत द्वारा संचालित एकमात्र विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य भी मूल रूप से रूस का है।

स्रोत: प्रति

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ak-203-rifles-1>

